

Next-Gen
GST
Better & Simpler

कार
हुई सस्ती
हमारा सफर हुआ
आसान

GST
बचत

1500CC से कम की
कार पर ₹70,000
से अधिक की बचत

1500CC से ज्यादा की कार की
कीमत में भी भारी गिरावट

भारत सरकार
GOVERNMENT
OF BHARAT

साउदी अरब का पाक को गुपचुप समर्थन, अब खुल्लम-खुल्ला गठबंधन में परिवर्तित हुआ

दोनों देशों के मध्य हुए “डिफेंस” अनुबंधन से, “एक पर आक्रमण, दोनों पर आक्रमण” माना जायेगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 18, सितंबर। एक नाटकीय घटनाक्रम, जो दक्षिण एशिया के रणनीतिक मानचित्र को बदल सकता है, में सऊदी अरब और पाकिस्तान ने बुधवार को रियाद में एक रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में यह वचन दिया गया कि एक पर हमला, दोनों पर हमला माना जाएगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर हुई राजकीय यात्रा के दौरान यह समझौता हुआ, जो दशकों से चल रहे अनौपचारिक सैन्य संबंधों को

- साउदी अरब को पाकिस्तान के “न्यूक्लियर बम” की सुरक्षा (न्यूक्लियर छाते) का लाभ मिलेगा तथा पाकिस्तान के लिए साउदी की आर्थिक ताकत व सद्भावना एक कवच का काम करेगी।
- भारत के लिए डबल संकट है। साउदी अरब को भारत खाड़ी देशों में अपना सबसे नज़दीकी राष्ट्र गिनता था। पाकिस्तान से कई बार हुए युद्ध के दौरान भी भारत ने साउदी अरब से रिश्ते दोस्ती भरे ही रखे थे और साउदी अरब, भारत का पाँचवा सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर रहा है तथा साउदी अरब के लिए भी भारत दूसरे नम्बर पर सबसे बड़ा व्यावसायिक पार्टनर रहा है।

एक बाध्यकारी संधि में बदल देता है। संयुक्त बयान में इस समझौते को आठ दशकों की साझेदारी की परिणति बताया गया, जो इस्लामी एकता और

साझा रणनीतिक हितों में निहित है। इसमें गहन रक्षा सहयोग और किसी भी आक्रमण के विरुद्ध एक मजबूत संयुक्त प्रतिरोध की बात कही गई है।

लेकिन इसके पीछे एक ऐसा घटनाक्रम है जिसे नई दिल्ली चिंतानक नजरो से देख रही है। पहली (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘में सभी धर्मों का सम्मान करता हूँ

नयी दिल्ली, 18 सितंबर। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने अपनी एक टिप्पणी को लेकर गुरुवार को भ्रम दूर करने की कोशिश की।

न्यायमूर्ति गवई ने खजुराहो में भगवान विष्णु की मूर्ति के पुनर्निर्माण की राकेश दलाल की याचिका पर 16

- सीजेआई गवई ने खजुराहो में भगवान विष्णु की मूर्ति के निर्माण संबंधी याचिका को खारिज करते समय की गई टिप्पणी को गलत तरीके से पेश करने पर यह बात कही।

सितंबर को अपनी टिप्पणी पर जारी तीखी प्रतिक्रिया के बीच कहा कि वे सभी धर्मों का सम्मान करते हैं।

पीठ ने मध्य प्रदेश में यूनेस्को विश्व धरोहर खजुराहो मंदिर परिसर के हिस्से (जवारी मंदिर) में भगवान विष्णु की सात फुट ऊँची मूर्ति के पुनर्निर्माण और पुनः स्थापित करने के निर्देश देने (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुस्लिम द्वारा मैसूर दशहरा उत्सव का उद्घाटन कराने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज

कर्नाटक सरकार ने 22 सितम्बर से शुरु हो रहे दशहरा उत्सव में बुकर विजेता, लेखिका बानू मुश्ताक को चीफ गैस्ट बनाया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 18, सितंबर। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई जिसमें प्रसिद्ध लेखिका “बानू मुश्ताक” द्वारा कर्नाटक में दशहरा उत्सव का उद्घाटन किए जाने पर आपत्ति जताई गई है। हाल ही में “कर्नाटक उच्च न्यायालय” ने ऐसी कई याचिकाएँ एक साथ खारिज कर दी थीं, जिनमें दावा किया गया था कि बानू मुश्ताक की भागीदारी लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकती है, क्योंकि उन्होंने पहले “हिंदू विरोधी” बयान दिए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को इस याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किये जाने की स्वीकृति प्रदान कर दी। इस याचिका में कर्नाटक

- सुप्रीम कोर्ट ने याचिका न केवल विचारार्थ स्वीकार कर ली है, बल्कि उसकी शीघ्र सुनवाई पर भी सहमति दे दी है।
- याचिका में कहा गया है कि बानू मुश्ताक पूर्व में कई हिंदू विरोधी बयान दे चुकी हैं, उन्हें चीफ गैस्ट बनाने से हिंदू भावनाएं आहत हुई हैं।
- ज्ञातव्य है कि कर्नाटक हाई कोर्ट ने यह याचिका खारिज कर दी थी और कहा था कि बानू मुश्ताक कई सार्वजनिक पदों पर रही हैं और किसी खास धर्म के व्यक्ति द्वारा दूसरे धर्म के कार्यक्रम में शामिल होने से संविधान प्रदत्त अधिकारों का हनन नहीं होता है।

उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार के उच्च निर्णय में दखलंदाजी करने से इनकार किये जाने की चुनौती दी गई है, जिसके अंतर्गत राज्य सरकार ने मैसूर

के दशहरा महोत्सव के उद्घाटन के लिये बुकर पुरस्कार प्राप्त लेखिका बानू मुश्ताक को आमंत्रित किया है। मुख्य (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘मुझे चुनाव आयोग की “वोट चोरी” का पर्दाफाश करने में आयोग के कुछ लोगों की मदद मिल रही है’

राहुल गांधी ने पुरजोर तरीके से कुछ और “सबूत” पेश किये “वोट चोरी” प्रकरण में

- मालेगांव केस में साध्वी प्रज्ञा सहित 7 लोगों को एनआईए कोर्ट द्वारा बरी करने के आदेश को पीड़ित परिवारों ने बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

एनआईए को भी नोटिस जारी किया है। विस्फोट में मारे गए छह लोगों के परिवारों ने विशेष एनआईए अदालत के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 18 सितम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नए पार्टी मुख्यालय में अपनी हाइड्रोजन बम प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाने ते मुद्दे पर एक महिला और एक पुरुष को पेश किया। राहुल गांधी ने कहा: “मैं इस मंच पर ऐसा कुछ भी नहीं कहूंगा जो 100 प्रतिशत सबूतों पर आधारित न हो।” उन्होंने कहा कि उन्हें इस कथित हेराफेरी के सबूत मिले हैं। कांग्रेस नेता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में

बबीता चौधरी नाम की महिला को मंच पर बुलाया, जिनका नाम, उनके अनुसार, मतदाता सूची से हटा दिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने सूर्यकांत नामक व्यक्ति को भी पेश किया, जिसके मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कथित रूप से बबीता का नाम हटाने के लिए किया गया। राहुल ने सूर्यकांत से पूछा: “आपने 14 मिनट में 12 वोटर कैसे डिलीट कर दिए?” उन्होंने आरोप लगाया कि यह काम पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा नहीं, बल्कि कॉल सेंटर स्तर पर बड़े पैमाने पर किया गया।

- भाजपा ने पलटवार में कहा, राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस नब्बे चुनाव हार गई है। अतः उनकी कुप्ठा व निराशा दिनों-दिन बढ़ रही है और झूठे-सच्चे आरोप लगाना उनकी आदत बन गई है।
- अमित शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे घर-घर में अभियान के रूप में जनता को यह बतायें कि अगर गलती से किसी तरह से इंडिया गठबंधन की सरकार बन गई तो बिहार के हर जिले में केवल घुसपैठिये ही रहेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि किसी ने एक केंद्रीकृत आपराधिक तंत्र खड़ा किया है जो चुनाव चोरी के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र में इस गिरोह ने 6018 मतदाता विलोपन

आवेदन फर्जों तरीके से दायर किए, वो भी अन्य राज्यों के मोबाइल नंबरों से। आरोप लगाते हुए राहुल गांधी ने यह चौंकाने वाला खुलासा भी किया कि उनकी पार्टी को चुनाव आयोग के अंदर के लोगों से ही मदद मिल रही है, जिससे

देशभर में हो रही कथित वोट चोरी का पर्दाफाश हो रहा है। राहुल गांधी ने दावा किया, “अब हमें चुनाव आयोग के अंदर से मदद मिलनी शुरू हो गई है। पहले यह नहीं हो रहा था, लेकिन अब हो रहा है और

यह रूकेगा नहीं। भारत के लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे। जैसे ही युवाओं को पता चलेगा कि वोट चोरी हो रही है, उनकी ताकत सामने आएगी।” उन्होंने आरोप लगाया कि, “कर्नाटक के अलंद में किसी ने 6,018 वोट डिलीट करने की कोशिश की। हमें यह नहीं पता कि 2023 के चुनावों में कुल कितने वोट डिलीट हुए, लेकिन यह मामला संयोग से पकड़ा गया। बूथ लेवल ऑफिसर को पता चला कि उसके चाचा का वोट डिलीट हो गया था। राहुल के दावों से विचलित, भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि अगर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चारधाम हैलिकॉप्टर सेवा के नियम सख्त किए

नयी दिल्ली, 18 सितंबर। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उत्तराखंड में चारधाम यात्रा हैलिकॉप्टर सेवा के लिए नियम कड़े कर दिये हैं। उत्तराखंड सरकार, डीजीसीए, हैलिकॉप्टर सेवा कंपनियों और नागरिक

- नगर विमानन महानिदेशालय ने हैलिकॉप्टर सेवा पुनः बहाल करते हुए सख्त सुरक्षा मानदंडों का पालन करने के निर्देश दिए।

उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों के बीच कई दौर की वार्ता के बाद बढ़े हुये सुरक्षा उपायों के साथ 15/16 सितंबर से सेवा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

CMYK

विचार बिन्दु

“जीवन के अच्छे दिनों में कभी भी उन लोगों को ना भूले जो जीवन के बुरे दिनों में आपके साथ थे।” - अरविन्द कटोच

क्या एसआईआर पर निर्णय लेना आयोग का विवेकाधिकार है?

क्या एसआईआर पर निर्णय लेना आयोग का विवेकाधिकार है? दिनांक 13 सितम्बर, 2025 को चुनाव आयोग ने अपने शपथ-पत्र द्वारा जो उसने अश्विनी उपाध्याय सीनियर एडवोकेट के द्वारा प्रेषित एक पीआईएल में दिया है, जिसमें अश्विनी उपाध्याय ने माननीय सुप्रीम कोर्ट से निवेदन किया है कि चुनाव आयोग समयबद्ध तरीके से सभी राज्यों में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (रैप) करायें, क्योंकि कुछ राज्यों में बांग्लादेशी अवैध प्रवासी बड़ी संख्या में मतदाता सूची में अपने नाम दर्ज करा चुके हैं। इस पीआईएल पर विरोध प्रदर्शन करते हुये चुनाव आयोग ने अपने शपथ-पत्र में घोषणा की है कि निर्वाचन सूची की पवित्रता और अखण्डता को अक्षुण्ण रखने के संवैधानिक व वैधानिक उत्तरदायित्व को आयोग समझता है और वह मानता है कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अथवा सामान्य पुनरीक्षण असेम्बली के जरूरल चुनाव अथवा बाई चुनाव से पूर्व कृपे और यह चुनाव आयोग का विवेकाधिकार है। शपथ-पत्र में यह भी स्पष्ट चुनाव आयोग का कथन है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस बाबत दिया गया कोई भी निर्देश उसके अधिकार क्षेत्र में जो बिना किसी नियंत्रण के संविधान ने दिया उसमें हस्तक्षेप होगा।

चुनाव आयोग ने अपने शपथ-पत्र में सुप्रीम कोर्ट का ध्यान रूत 25 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, Registration fo Electors Rules 1960 सप्टेंबर धारा 21 जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 आकर्षित किया है जिसमें चुनाव आयोग का दायित्व निर्धारित किया है कि वह मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण करायें उसमें समयावधि का कोई प्रतिबंध नहीं है। जरूरल इलेक्शन से पूर्व पुनरीक्षण कराना चुनाव आयोग का विवेकाधिकार है।

चुनाव आयोग ने अपने शपथ-पत्र में यह भी कहा है कि विशेष पुनरीक्षण के कार्य में 1 जनवरी, 2026 को योग्यता तारीख माना जावेगा जिसका अर्थ है इस तारीख को 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र पूरी की है उन नागरिकों को मतदाता सूची में सम्मिलित किया जावेगा।

अपने गत अतिथि सम्पादकीय में लेखक ने स्पष्ट किया है कि दिनांक 10 सितम्बर, 2025 को अधिकारियों को बुलाई गई बैठक में निर्देश दिये हैं, उनके अनुसार कोई भी नागरिक मतदाता मतदसूची से बाहर न रहे जावे और अपात्र इसमें शामिल न हों। आधार कार्ड को 11 अन्य दस्तावेजों के साथ शामिल किया जावे ये दस्तावेज निवास स्थान को प्रमाणित करते हैं, वे व्यक्ति की नागरिकता के प्रमाण नहीं है। यह भी निर्देश दिया है कि अवैध प्रवासियों की जांच की जावे, उनसे शपथ-पत्र लिया जावे कि उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 से पूर्व भारत में हुआ था। विकल्प में उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 और दिसम्बर 2024 के मध्य हुआ है। उनसे अपने माता पिता के जन्म स्थान के दस्तावेज लिये जावें।

उक्त लेख में स्पष्ट किया है कि देश में लोकतंत्र है और लोकतंत्र की सफलता शुद्ध, त्रुटिहीन मतसूची पर निर्भर करता है। भारत के संविधान में चुनाव

देश में लोकतंत्र है और लोकतंत्र की सफलता शुद्ध, त्रुटिहीन मतसूची पर निर्भर करता है। भारत के संविधान में चुनाव आयोग को एक संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया है और संविधान के अनुच्छेद 324 में सांसदों और विधायकों की संवैधानिक पदों पर निर्वाचन के लिये मतदाता सूची तैयार करने का और निर्वाचन के संचालन, अधीक्षण व निर्देशन और नियन्त्रण का पूर्ण दायित्व दिया है। अनुच्छेद 326 में यह स्पष्ट किया है कि मतदान करने का अधिकार केवल नागरिक को दिया है

पर निर्भर करता है। भारत के संविधान में चुनाव आयोग को एक संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया है और संविधान के अनुच्छेद 324 में सांसदों और विधायकों की संवैधानिक पदों पर निर्वाचन के लिये मतदाता सूची तैयार करने का और निर्वाचन के संचालन, अधीक्षण व निर्देशन और नियन्त्रण का पूर्ण दायित्व दिया है। अनुच्छेद 326 में यह स्पष्ट किया है कि मतदान करने का अधिकार केवल नागरिक को दिया है जिन्हें वयस्क मताधिकार दिया है।

संसद का चुनाव की प्रक्रिया के हेतु कानून

बनाने का अधिकार दिया है और कानून को सुविधाजनक रूप से संचालित हो उसके हेतु नियम बनाने का प्रावधान है। संविधान के प्रावधान के अधीन ही संसद का कानून और रूल्स है। यह भी अनुच्छेद 329 में स्पष्ट है कि निर्वाचन सम्बन्धित मामलों में न्यायालयों का हस्तक्षेप भी वर्जित है।

चुनाव आयोग ने देश में मतसूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण प्रारम्भ किये जाने के आदेश भी जारी किये हैं।

चुनाव आयोग (निर्वाचन आयोग) ने अपने शपथ-पत्र के तर्कों के आधार पर सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि समयबद्ध एसआईआर कराने के निर्देशन की प्रार्थना चाही गई याचिका खारिज की जावे, क्योंकि नियमित अन्तराल पर पूरे देश में एसआईआर कराने का निर्देश देना, चुनाव आयोग के विशेष अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण होगा।

विहार एसआईआर मामलों में डाफ्ट मतदाता सूची जा की जा चुकी है चुनाव आयोग ने अपने एडवोकेट के माध्यम से सूचित किया है कि 7.24 करोड़ मतदाताओं के नामों में से 99.6 वोटरों ने अपने नाम शामिल करने के फार्म भरकर दे दिये हैं, केवल विवाद 65 लाख तथाकथित मतदाताओं के नाम हैं वो भी तीन कैटेगरी के हैं, मृतक, अवैध प्रवासी तथा वे हैं, जिनका नाम तो जगह है। यह भी विवाद सामने आया है कि लोगों ने मतदाता सूची में स्थान पाने के लिये जो आधार कार्ड, राशन कार्ड आदि डोक्यूमेंट्स दिये हैं वे फर्जी हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

दिनांक 15 सितम्बर, 2025 को अश्विनी उपाध्याय की पिटोशन पर कड़े शब्दों में यह स्पष्ट कर दिया कि विहार एसआईआर की वैधता पर कोर्ट का जो निर्णय होगा वह Pan India Exercise देशव्यापी एसआईआरद्व पर भी लागू होगा, क्योंकि कोर्ट टुकड़ों में निर्णय नहीं देगी। सुप्रीम कोर्ट की इसी खण्डपीठ ने पूर्व में कई अन्तरिम आदेश दिये हैं जिनमें आधार कार्ड को अन्य 11 डोक्यूमेंट्स के साथ निवास के डोक्यूमेंट के रूप में माने जाने का आदेश भी है, जो नागरिकता का प्रमाण नहीं है, किन्तु मतदाता सूची में से नाम काटे जाने अथवा जोड़ने पर देखा जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कोर्ट विहार एसआईआर की वैधता पर दिनांक 7 अक्टूबर, 2025 को सुनेगी और अन्तिम निर्णय देगी। अश्विनी उपाध्याय ने माननीय खण्डपीठ से निवेदन किया कि देशव्यापी स्तर पर एसआईआर प्रक्रिया लम्बी होगी चाहिये तथा अवैध प्रवासियों के नाम जो देश के नागरिक नहीं हैं, उनके नाम काटे जाने चाहिये। अश्विनी उपाध्याय एडवोकेट ने अतः कोर्ट से निवेदन किया कि माननीय खण्डपीठ अपने पूर्ववर्ती आदेश को जिसमें आधार कार्ड को भी नाम काटे जाने अथवा जोड़ने के मामले में विचार करने का उल्लेख था उसे संशोधित किया जावे, क्योंकि आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इस प्रार्थना-पत्र का नोटिस विपक्ष को दिये जाने का आदेश दिया गया है। अतः यह माना जाता है कि इस विषय पर बहस होगी।

–अतिथि सम्पादक पानाचन्द जैन पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

राशिफल शुक्रवार 19 सितम्बर, 2025			
आश्विन मास कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम सम्वत् २०८२, आश्लेषा नक्षत्र प्रातः ७.०६ तक, सिद्ध योग रात्रि ८.४१तक, गर करण दिन ११.३६ तक, चन्द्रमा प्रातः ७.०६ से सिंह राशि में संचार करेगा।ग्रह स्थिति – सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–तुला, बुध–कन्या, गुरु मिथुन, शुक्र–सिंह, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में संचार करेगा।			
आज भद्रा रात्रि ११.३७ से आरम्भ होगी। आज त्रयोदशी ओर मघा का श्राद्ध, प्रदोष व्रत, मासशिवरात्रि, कलयुगमादि तिथि है युगान्द ५.२७ आरम्भ होगा।			
श्रेष्ठ चौघडिया – चट–सूर्योदय से ७.४८ तक, लाभ–अमृत ७.४८ से १०.५० तक, शुष १२.३१ से १.५१ तक, चट ४.५५ से सूर्यास्त तक			
राहुकाल – १०.३० से १२.०० तक सूर्योदय ६.१८ सूर्यास्त ६.२३			

मेघ	सिंह	धनु
परिजन के व्यवहार के कारण मन विग्रह हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है।	व्यावसायिक कार्यों में व्यवस्था बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बड़ेगा।	चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं हो सकती है। घर-गृहस्थी में उत्पन्न हो सकता है। मन में भय बना रहेगा। यात्रा में दुर्घटना का भय है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।
वृष	कन्या	मकर
घर-परिवार में अथितियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार सुख सुविधाएं बड़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यवसायिक आय में वृद्धि होगी।	आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अर्नील कार्यों में खराब हो सकता है।	परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामुहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।
मिथुन	तुला	कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए कार्य बरने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।	आर्थिक-वित्तीय मामलों में आर्थिक स्थितियां दूर होंगे। लगेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।	विवादिता मामलों से राहत मिल सकती है। अहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
कर्क	वृश्चिक	मीन
घर-परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक-सामाजिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। वाणि पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।	व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बरने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।	व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बरने लगेंगे। व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

भारत को आर्थिक व रणनीतिक छलांग के लिए एक ही मंत्र चाहिए-निजी क्षेत्र को शोध और नवाचार में खुली छूट



सुनील दत्त गोयल

आर एंड डी में निजी क्षेत्र को फ्री-हैंड; भारत की अगली छलांग का पासपोर्ट भारत को अपनी अगली आर्थिक और रणनीतिक छलांग के लिए एक ही मंत्र चाहिए-निजी क्षेत्र को शोध और नवाचार में खुली छूट और बड़े प्रोत्साहन। आज भारत का कुल निवेश जौडीपी के लगभग ०.५-०.७ के दायरे में अटका है, जबकिप्रमुख अर्थव्यवस्थाएं ३.५-४.५ तक पहुंच चुकी हैं। चीन न सिर्फअधिक निवेश करता है, बल्किकंपनियों को १२५-१५० तक के सुपर-डिडक्शन, लंपसम कैश बोनस और पेटेंट खर्चका रीटर्न्समेंट जैसी उदार नीतियां देकर निवेश को गुणा देता है-अर्थात यदिकोई कंपनी १०० करोड़ में लागती है तो कुल सरकारी सहायता का प्रभाव २५०-३०० करोड़तक हो जाता है। भारत को भी यही करना होगा: लागत घटाइए, जोखिम बाँटिए, और निजी पूंजी को नवाचार की लोडमें आगे बढ़ाइए। भारत को सूचना-प्रौद्योगिकी, दूरसंचार-सर्विलांस,मॉनिटरिंग, रक्षा उत्पादन और मेडिकल-फार्मा पर तत्काल प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकियही क्षेत्र आर्थिक सुरक्षा, तकनीकी संप्रभुता और रोजगार सृजन के सबसे मजबूत इंजन बन सकते हैं।

सूचना-प्रौद्योगिकी और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI) भारत ने डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को २० स्तर पर परिभाषित और मान्यता दिलाई है, जिससे पहचान, भुगतान और डेटा-

टवेरा गाडी जवाई नदी के बहाव में फंसी

सायला, (निसं)। थानाक्षेत्र केबोरवाडा गांव में जवाई नदी में रफ्ट के ऊपर से बहते पानी को पार करने के दौरान सवारियों से भरी एक टवेरा गाडी बहते पानी के बीच फंस गई। जिससे एक बार तो गाडी में सवार यात्रियों की संसे अटक गई। गनीमत रही कि नदी का वेग सामान्य था। अन्यथा बडा हादसा हो सकता था। जानकारी के अनुसार बोरवाडा में जवाई बांध के पानी की निकासी से जवाई नदी रफ्ट के ऊपर से प्रवाहित हो रही है। जिससे आमजन व वाहनों की आवाजाही बंद है। लेकिन गुनवार को रानीवाडा कांबा से टवेरा चालक छह यात्रियों को लेकर आ रहा था। जिन्हें बोरवाडा होकर आगे निकलना था। वाहनचालक को नदी के दूसरे छोर पर निवासरत किसानों व ग्रामीणों ने रफ्ट के ऊपर होकर बहती नदी से गाडी निकालने को मना किया था।

जयपुर की फर्म को सेवा में त्रुटि का दोषी माना, खर्चा लौटाने सहित एक लाख दस हजार का जुर्माना

जालोर (कासं)। जालोर सहित राजस्थान के किसानों के लिए एक अच्छी खबर है। अगर किसी ने भी गारंटी अवधि में ग्रीन हाउस या अपने कृषि कुएं पर कृषि उपकरण लगाए हैं और वो गारंटी अवधि में है, तो विला करने की जरूरत नहीं है। जिला उपभोक्ता न्यायालय की ओर रख करने परिवादी पेश कर राहत प्राप्त कर सकते हैं। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष धनरयाम यादव ने एक किसान को गारंटी अवधि में क्षतिग्रस्त ग्रीन हाउस नहीं बदलने वाली होर्टीकल्चर डवलपमेंट सोसायटी और सप्लायर्स फर्म राधा गोविंद को सेवा में त्रुटि का दोषी मानते हुए ग्रीन हाउस में लगाये गई राशि पांच लाख अड़तीस हजार रुपये मय ब्याज अदा करने सहित एक लाख दस हजार का भारी जुर्माना ठोका है। परिवादी कांतिलाल पुत्र गलबाराम, जाति

साझाकरण के माध्यम से समावेशी सेवा-प्रदायन का वैश्विक मानक स्थापित हुआ है । २० टास्क फ़ोर्सकी अंतिम रिपोर्टबताती है कि आर्थिक परिवर्तन, वित्तीय समावेशन और शासन-परिवर्तन का आधार बन चुका है और इसे वैश्विक दक्षिण तक बढ़ाने का रोडमैप स्पष्ट है ।

दूरसंचार और सर्विलांस-मॉनिटरिंग राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता के लिए स्पेस-आधारित सर्विलांस/रीकॉन और संसार अवसरचना का तीव्र विस्तार आवश्यक है, जिसे आगामी ३ वर्षोंमें १००-१५० अतिरिक्त उपग्रह जोड़कर सुरक्षा और मॉनिटरिंग क्षमताओं को मजबूत करने की योजना से बल मिलेगा। वैश्विक प्रवृत्तियों के अनुरूप ऊर्जा व रक्षा (R&D) पर सरकारी समर्थन तेजी से बढ़ रहा है, जो उन्नत दूरसंचार और स्पेस-आधारित मॉनिटरिंग टेक्नोलॉजी में नवाचार को गति देने का अवसर है।

रक्षा और साइबर: नई लड़ाइयों की तैयारी भविष्य की लड़ाइयाँ स्टार-वॉर जैसे हाई-टेक वॉरफेयर होंगी-

उपग्रहों, ड्रोन, AI , इलेक्ट्रॉनिक और साइबर डोमेनों में। यूक्रेन-रूस युद्ध ने दिखाया कि५०,००० का ड्रोन १०० करोड़के टैक को निष्क्रिय कर सकता है; शक्तिता समीकरण तकनीक से तय होगा।चीन की कक्षा में सैटैलिटगिरानी उपग्रह सक्रिय हैं; भारत के पास गिरगानी/रीकॉन क्षमता में विस्तार की भारी गुंजाइश है। यदिहमारी परमाणु पनडुब्बी परियोजना २०३८ तक पूरी होगी, तो यह प्रश्न जरूरी है: तब तक तकनीक कहाँ पहुंच चुकी होगी? उत्तर का सा है-हमें समय-संवेदी, निजी भागीदारी-आधारित मॉडल अपनाना होगा, जहां डिजाइन से लेकर प्रोटोटाइपिंग तक निजी उद्योग और स्टार्टअप अटिाम पंक्तिमें हों, और सरकार एंकर-टाइहक बनें। साइबर सुरक्षा में भी निजी क्षेत्र को फ्री-हैंड,

क्या करना होगा: एक साहसी प्रोत्साहन पैकेज सुपर-डिडक्शन और कैश सपोर्ट; निजी व्वाय पर १५०-२०० सुपर-डिडक्शन; प्रोटोटाइप/-

शकुन्तला को मिली पशु बीमा पॉलिसी

झीलपुर की बसेड़ी ग्राम पंचायत के झील गांव निवासी शकुन्तला देवी परिवार को अतिरिक्त सेवास के लिए पैसा पालती है क्योंकि वह और उसका पति पीतम सिंह अपनी छोटी सी जौत के कारण खेती पर निर्भर नहीं रह सकते। किसान भी पशु की मृत्यु उसके परिवार की आर्थिक स्थिति को परेशानी में डाल देती है लेकिन मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की दूरगामी सोच से राज्यभर में १७ सितम्बर से संचालित ठाामीण सेवा शिविर अभियान के पहले ही दिन शकुन्तला को दोनों पैसों का मंगला पशु बीमा किया गया। झील के अटल सेवा केन्द्र में आयोजित शिविर से पहले ही पशुपालन विभाग के कार्मिक शकुन्तला समेत ठााम पंचायत के प्रत्येक घर पहुंचे तथा उन्होंने सूची बनाई कि किस परिवार को किस योजना का पात्र होने के बावजूद अभी तक लाभ नहीं मिला है। इस योजना में बीमित गाय, भैंस और



ग्रामीण सेवा शिविर अभियान के पहले ही दिन शकुन्तला की दोनों पैसों का मंगला पशु बीमा किया गया।

ऊंट का ४० हजार रूपये तथा बकरी व भेड़ का ४ हजार रूपये का १ वर्ष अवधि के लिए नि:शुल्क बीमा किया जाता है। शकुन्तला ने राज्य सरकार की इस योजना का नि:शुल्क लाभ मिलने पर मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा का आधार व्यक्त किया है। शकुन्तला को

लक्ष्य प्राप्तिपर लंपसम कैश बोनस; पेटेंट फाइलिंग/प्रोसीक्यूशन/विदेशी फाइलिंग फीस का १०० तक रीइम्बर्समेंट (सीलिंग के साथ)।

मैचिंग टांस्टेस: ५-५० करोड़तक मैचिंग-ग्रांट स्क्रीम, विशेषकर डीप-टेक/डिफेंस-टेक/बायो-टेक के लिए, जहां निजी पूंजी के साथ सरकार जोखिम साझा करे।

तेज़अनुमतियां: डिफेंस और साइबर के फील्ड-ट्रायल/इम्पोर्ट-लाइसेंस/एक्सपोर्ट के लिए ३०-९० दिन की टाइम-लिमिटेड, सिंगल-विंडो क्लियरेंस।

एंकर-प्रोक्वोरमेंट: जैसे मॉडलों का विस्तार; ट्रायल-टू-प्रोक्वोर।फ्रेमवर्कताकिसफल प्रोटोटाइप को तेजी से ऑर्डर मिलें; /स्टार्टअप को कोटा।

वन्मार्शि थारााइजेशन: सार्वजनिक लैब/ को स्टार्टअप हेतु रॉयल्टी-लाइट लाइसेंस; सॉनवेर पेटेंट फंड जो रणनीतिक पेटेंट खरीद/संरक्षण करे।

वाउचर और टैक्स क्रेडिट: को प्रयोगशाला/पेटेस्ट-बेड उपयोग हेतु वाउचर; १० वर्षके लिए टैक्स-क्रेडिट की स्थिरता ताकिप्लांट और प्रतिभा पर दीर्घकालीन निवेश हो।

त्वरित अवमूल्यन और सपोर्ट:

लैब उपकरण/क्लीन-रूम/टेस्ट-रिंग पर १-२ वर्षमें त्वरित अवमूल्यन; पूंजी-गहन डीप-टेक के लिए क्रेडिट गारंटी।

साइबर-टेक बूस्ट: राष्ट्रीय बग-बाउंट/रेड-टीम कार्यक्रम; सरकार-उद्योग डेटा सैंडबॉक्स; सुरक्षा-ठोड ओपन-सोर्सके लिए अनुदान।

फार्मा-मिशन: रोग-विशेष मिशन (कैसर, डायबिटीज, थैलेसीमिया, मानसिक स्वास्थ्य) के लिए स्तर्तिता-गान्ट, तेज़नैतिक-स्वीकृतियां, और ग्लोबल ट्रायल

नेटवर्कसे कनेक्टिविटी।

टैलेंट और इन्क्यूबेशन: एंटरप्रेन्योर-इन-रेजिडेंस फ़ैलाशिप, शहर-स्तरिय डीप-टेक कैस्टर, और विश्वविद्यालय-उद्योग संयुक्त लैब्स जिनके परिणामों की खरीद का पूर्व-प्रतिबद्ध रोडमैप हो।

शासन-सुधार: नीतिकी विश्वसनीयता ही पूंजी है निवेश का सबसे बड़ा मित्र नीति-स्थिरता है। १०-वर्षीय स्पष्ट रोडमैप, कर-नीतिमें उलटफेर से बचाव, मानकीकरण/टेस्टिंग ढांचे का आधुनिकीकरण, और डेटा/गोपनीयता/निर्यात नियमों की स्पष्टता-ये सब निजी जोखिम घटाते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की समस्या-सूचियां नियमित रूप से जारी हों ताकिस्टार्टअप सटीक समाधान विकसित करें। सबसे बड़कर, सरकार अनुमोदक से क्षमताकॉनने-न्यूनतम फॉर्म, अधिकतम विश्वास, और परिणाम-आधारित जवाबदेही।

निष्कर्ष: नेतृत्व की नियतिऔर युवा की ऊर्जा भारत के उद्योगपतिऔर युवा इंजीनियर-साईटिस्ट में वह क्षमता है जो वैश्विक मानचित्र बदल सकती है। उन्हें सिर्फअधिकार, भरोसा और प्रोत्साहन चाहिए। सरकार की पूंजी से अधिक मूल्यवान है सरकार का स्पष्ट संकेत: निजी क्षेत्र को पूर्णस्वतंत्रता, बड़े इंसेंटिव और तीव्र अनुमतियां मिलेंगी। यही समय है जब भारत लागत-प्रतिसपर्धासे ज्ञान-प्रतिसपर्धाकी ओर निर्णायक कदम बढ़ाए-वरना कल की लड़ाइयों में आज की हिचकिचाहट हमारी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाएगी।

रेगेरिचन सुनील दत्त गोयल
महानिदेशक, इंपीरियल चैंबर ऑफ़कॉमर्सएंड इंडस्ट्री
पूर्वउपध्यक्ष, जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड जयपुर,
राजस्थान,

ताड़का वध के मंचन ने रोमांचित किया

पावटा । कस्बा पावटा स्थित रामलीला मंडल मैदान में आदर्श रामलीला मंडल पावटा द्वारा लीलाओं का मंचन किया जा रहा है। बुधवार को स्थानीय कलाकारों द्वारा ताड़का वध के दृश्यों की मंचित किया गया जिसे देख दर्शक रोमांचित हो उठे। जिसको देखने के लिए दर्शकों की काफी भीड़ रही। वही व्यास पीठ पर बैठे व्यास योगेश शर्मा द्वारा गाई गई चौपाइयो ने दृश्यों को और मार्मिक बना दिया। इससे पूर्व विश्वामित्र (रामशरण बोहरा) के यज्ञ को राक्षसों ने किस प्रकार भंग किया, उसके दृश्य मंचित किए गए। राक्षसों के आंतक से तंग होकर वे राजा दशरथ (महेश पारीक) की शरण में भगवान श्रीराम-लक्ष्मण (लक्की- शुभम) को लेने पहुंचे। विश्वामित्र ने जब राजा दशरथ को राक्षसों द्वारा धार्मिक अनुष्ठान भंग करने का हाल सुना कर इनकी रक्षा के लिए राम व लक्ष्मण को भेजने का आग्रह किया।

सेवा शिविर में व्यवस्थाएं पुख्ता रखें : धनकड़

पावटा । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में सेवा पर्व पखवाड़े के तहत १७ सितंबर से शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों का शुभारम्भ जिलेभर में किया गया। जहां दिनांक राश शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनखड़ ने नगरपालिका पावटा प्रांगण पर ग्राम पंचायत तुलसीपुरा व पांचूडाला में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत शुभ हार शहरी सेवा शिविर २०२५ का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को शिविरों के सफल आयोजन एवं उनके जवाब का अवलोकन करने के पश्चात सहायक निदेशक, होर्टीकल्चर डवलपमेंट सोसायटी जालोर और मैसर्स राधा गोविन्द ट्रेडर्स के प्रो. मोहन यादव को सेवा में त्रुटि का दोषी माना तथा परिवादी द्वारा ग्रीन हाउस के लिए चुकाई गई।

प्रिंसिपल बिंदु अग्रवाल को नोटिस जारी किया गया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, महावीर नगर थर्ड में शिक्षा मंत्री कक्षा में पहुंचे तो बच्चे बैठे थे और एलईडी स्क्रीन पर ऑनलाईन क्लास चल रही थी। लेकिन क्लास में कोई शिक्षक नहीं था। कक्षा बारहवीं के ४ बच्चे बैठे थे, लेकिन शिक्षक नहीं था। मंत्री ने पूछा किसका कलांश है। बच्चों ने बताया कि रिजवाना मैडम का है। इकोनॉमिक्स की क्लास है। मंत्री ने पूछा रिजवाना मैडम कहां हैं तो बताया कि वो स्कूल में परीक्षा केंद्र है उसकी तैयारी कर रही है। मंत्री को किसी भी कक्षा-कक्ष में शिक्षक क्लास लेते नहीं मिले। कई शिक्षक तो मंत्री को देख कर हाजरी रजिस्टर में अपनी-अपनी हाजरी दर्ज करने दौड़े।

स्कूल में ना तो मेगा पीटीएम आयोजित की गई और ना ही पौधरोपण हुआ। बच्चों की होमवर्क डायरी तथा टीचर्स डायरी भी शिक्षक दिखा नहीं पाए। शिक्षा मंत्री ने स्कूल में गंदगी सहित तमाम अव्यवस्थाओं के लिए प्रिंसिपल को नोटिस देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जहां कई स्कूलों में अव्यवस्थाएं मिली तो वही पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्रीपुरा की व्यवस्था को देखकर मंत्री दिलावर प्रसन्न हो गए।

■ शिक्षा मंत्री के दौरे में कक्षा में मोबाइल पर बातें करते मिले शिक्षक

स्कूल में सरकारी निर्देशों के अमूहेलना करने पर वरिष्ठ अध्यापक सीमा यादव, अध्यापक लेवल-२ ललिता शर्मा, अध्यापक लेवल -१ तथा बेसिक कंप्यूटर अध्यापक रश्मि माथूर को कारण बताओं नोटिस देने के निर्देश दिए। शिक्षा मंत्री के निर्देश पर स्कूल प्रधानाचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बृजराजपुर, चित्तौड़ा का नोहरा में शिक्षा मंत्री जब पहुंचे तो बच्चे इधर-उधर धूमते नजर आए। किसी भी कक्षा

में अध्यापक नहीं थे। एक कक्ष में गणित के वरिष्ठ अध्यापक अजीत कुमार जैन मोबाइल पर बात करने में व्यस्त थे। शिक्षा मंत्री ने संबंधित शिक्षकों को निर्त्तबिज करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यालय से शिक्षकों के गायब होने, विद्यार्थियों के उचित गणवेश में नहीं होने, अध्यापक कक्षाओं में नहीं होने तथा प्रधानाचार्य को कक्षा में बैठे होने, विलंब से स्कूल आने, स्कूल में अनुशासन नहीं होने, आंशों के बावजूद भी विद्यालय किराए के भवन में चलने के कारण

सार-समाचार

धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार

छबड़ा (निसं)। पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में रिटायर्ड कृषि पर्यवेक्षक को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित कर ली है। सीआई राजेश खटाना ने बताया कि 22 मई 2023 को राधेश्याम पुत्र मोहनलाल नामदेव निवासी अलीगंज मोहल्ला छबड़ा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि दिनेश श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त कृषि पर्यवेक्षक) निवासी दर्जी मोहल्ला ने अपनी एक परिचित महिला कोटा निवासी संतोष नागर से कोटा में प्रॉपर्टी दिलवाने के लिए मिलवाया था। इस पर नागर ने प्रॉपर्टी दिलवाने के नाम से उससे 15 लाख रुपये व 2 खाली चैक कंप्यूटरवर्क ले लिए और उसे कोई भी प्लॉट या प्रॉपर्टी नहीं दिलवायी। इस पुलिस ने संतोष नागर व दिनेश श्रीवास्तव के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। जांच में दिनेश श्रीवास्तव व संतोष नागर के खिलाफ अपराध प्रमाणित पाए जाने पर प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए सीआई खटाना के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा बुधवार को आरोपी दिनेश श्रीवास्तव पुत्र राजबहादुर निवासी दर्जी मोहल्ला को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से आरोपी को न्यायिक हिरासत में भिजवा दिया है। कोटा निवासी संतोष नागर के खिलाफ अन्य थानों में भी धोखाधड़ी के प्रकरण दर्ज है। जिसकी पुलिस द्वारा सर्गामी से तलाश की जा रही है।

लघु चित्रण कार्यशाला 20 से

कोटा, (निसं)। कला साहित्य, सांस्कृतिक एवं पुरातत्व विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा सांस्कृतिक सृजन पखवाड़े के अंतर्गत राजस्थान ललित कला अकादमी द्वारा लघु चित्रण कार्यशाला 20 से 25 सितंबर, 2025 के मध्य कोटा छत्र विलास उद्यान स्थित कला दीर्घा में आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला में हाड़ौती के लघु चित्र शैली के ख्यातिनाम चित्रकार शंभू सिंह चोबदार एवं उनके सहयोगियों द्वारा चार दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर का समय 11 से दोपहर 2.30 बजे तक रहेगा, जिसमें हाड़ौती की कला के साथ ही राजस्थान की संस्कृति, पुरातन विद्या और राजा महाराजाओं के साथ ही राजसी वैभव कला के क्षेत्र में देखने को मिलेगा वहीं बच्चों को भी सिखाया जाएगा और राजस्थान की संस्कृति से उन्हें चित्रों की बारिकियों के माध्यम से अवगत कराया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन निखिलेश सेठी (इनटेक कन्वीनर, कोटा चैप्टर) द्वारा किया जाएगा और विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध हेरिटेज प्रमोटर अब्दुल हनीफ जैदी होंगे। इस शिविर के समन्वयक डॉ. राकेश सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण निशुल्क रहेगा। उन्होंने कहा कि हर बार इस शिविर को लागूया जाता है ताकि बच्चों के मन में जो उद्गार हैं, उनकी जो कला है वह केनवास पर आकृति लेते सके और नए युवाओं को आगे लाने का यह सराहनीय प्रयास है।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता संपन्न

रामगंजमंडी, (निसं)। शहर के एक निजी विद्यालय ग्राउंड में 69वीं जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ। मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष अखिलेश मेडतवाल व स्कूल शिक्षा परिवार प्रदेश सचिव नरेश शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। विद्यालय समिति संरक्षक ताराचंद जैन, अध्यक्ष ताहिर हुसैन, सचिव मेहा जैन और दुष्यंत शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन जय शर्मा और खुशी प्रजापत ने किया। छात्र वर्ग में एलजेब्रा पब्लिक स्कूल कोटा प्रथम स्थान पर रहा। जॉय हंड हैप्पीनेस स्कूल कोटा द्वितीय स्थान पर और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दुर्जनपुरा तृतीय स्थान पर रहा। छात्रा वर्ग में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय इटावा ने पहला स्थान हासिल किया। सोफिया स्कूल कोटा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया और तीसरा स्थान सेंट जॉन्स स्कूल कोटा को मिला।

होटल मैनेजमेंट के छात्रों का अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय फाईव स्टार होटल्स में चयन

कोटा, (निसं)। एलबीएस संस्थान के चेयरमैन कुल्दीप माथुर ने बताया कि हाड़ौती क्षेत्र में कोटा के पहले होटल मैनेजमेंट कॉलेज एलबीएस कॉलेज ऑफ होटल मैनेजमेंट के छात्रों का अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के फाईव स्टार होटल्स में चयन हुआ जैसे ताज, हयात, लीला, रेडिसन, आईटीसी, मैरियट, हिल्टन, एक्कोर, द फर्न एवं तीन विद्यार्थियों का चयन मॉरीशस में अंतराष्ट्रीय स्तर की होटल्स में भी हुआ। उन्होंने बताया कि छात्रों ने यह सफलता चयन प्रक्रिया में रखें गए विभिन्न चरणों को सफलता पूर्वक पूर्ण कर प्राप्ति की है।

पीठासीन अधिकारी श्री सत्यनारायण व्यास, आर.एच.जे.एस. जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोटा राजस्थान दीवानी विधिक प्रकरण संख्या - 114/2023 श्रीमती मन्नी बाई पत्नी श्री शंकर लाल, उम्र 52 वर्ष, निवासी- लाम्बा पीपल, जिला बून्दी, राजस्थान- 323021प्राथीया

-बनाम- (1) शंकर लाल मेघवाल पुत्र श्री नारायण, उम्र 49 वर्ष, निवासी- लाम्बा पीपल, जिला बून्दी राजस्थान- 323021 (2) समीर मेघवाल पुत्र स्व. श्री नरेश कुमार, उम्र 11 साल नाबालिग जरिये संरक्षक दादा शंकर लाल मेघवाल पुत्र नारायण निवासी- पंचवटी नगर, सुभाष नगर, कुन्हाड़ी, कोटा राजस्थान हाल निवासी- लाम्बा पीपल, जिला बून्दी राजस्थान- 323021 (3) सोनाशी मेघवाल पुत्री स्व. श्री नरेश कुमार उम्र 09 साल नाबालिग जरिये संरक्षक दादा शंकर लाल मेघवाल पुत्र नारायण निवासी- पंचवटी नगर, सुभाष नगर, कुन्हाड़ी, कोटा राजस्थान हाल निवासी- लाम्बा पीपल, जिला बून्दी राजस्थान - 323021 (4) जीतमल पुत्र श्री शंकर लाल उम्र 21 साल निवासी- लाम्बा पीपल, जिला बून्दी राजस्थान-323021 (5) मोहन लाल मेघवाल पुत्र श्री शंकर लाल उम्र 20 साल निवासी- लाम्बा पीपल, जिला बून्दी राजस्थान- 323021 (6) विद्या भारती पत्नी स्व. श्री नरेश कुमार उम्र 30 साल निवासी- पंचवटी नगर, सुभाष नगर, कुन्हाड़ी, कोटा राजस्थान हाल निवासी- केन्द्रीय कारागार, कोटा राजस्थान (7) मैना पुत्री शंकर लाल पत्नी श्री रामपाल उम्र 26 निवासी- तालड़ा जिला बून्दी राजस्थान (8) भारतीय जीवन बीमा निगम, शाखा कोटा प्रथम छावनी कोटा (9) हर खास ग्राम प्राथना पुत्र अनुराग धार-372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम प्राथना पुत्र प्राथीया मन्नी बाई की ओर से प्राथनीय पत्र अन्वयित धारा 372, भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम 1925 इस आशय से प्रस्तुत किया गया है कि प्राथी का पुत्र नरेश कुमार का पुत्र है। जिसकी हत्या दिनांक 08.03.2023 कर दी गयी है। मृतक की बीमा पॉलिसी संख्या 157949036 है तथा यूआईएन कोड 512B209V02 है तथा डीआईएन नम्बर- 512N277V92 है राशि 2,00,000/- रुपये है। जिसे प्राथीया प्राप्त करने की अधिकारिणी है। अतः इसके बावत प्राथीया के पक्ष में उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी करने की प्रार्थना की गई है। अतः प्राथीया के पक्ष में उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में जिस किसी को आपत्ति हो तो यह असातलव या कबालतन इस न्यायालय में दिनांक 28 माह 10 मनु 2025 को अपनी आपत्ति खुद करें अन्यथा प्राथी के पक्ष में उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा। आज दिनांक 17.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।

न्यायालय के आदेश से बरिष्ठ मुंसरिफ जिला एवं सेशन न्यायालय, कोटा (राज.) मुद्रा

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) क्रमांक: LU2012/KOT/2025-26/101056 दि. 18.09.2025 श्री BHAIIRU LAL पुत्र श्री GOPAL जाति MER निवासी HANUMAN MANDIR KE PASS SOGARARIYA, KOTA ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का **आवासीय** प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिभूति अधिकारी के निवापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र.	ग्राम तहसील व सं. जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर) (हेक्टे.)
1.	भदाना, लाडपुरा (कोटा)	BHAIIRULAL S/O GOPAL JAATI MER SOGARARIYA	809	11500 1.15 कुल 1.15

इसलिए इसके द्वारा सनस संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-उत्तराध अभिनियम, 1955 की धारा 90-क और राजस्थान अधिनियम अधिनियम, 1955 की धारा 93 के अधीन राष्ट्रीय प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुमत प्राप्त करने और अधिनियम अधिनियम के निर्धारित पत्र को आवेदन से जोड़ कर इन अधिनियम के उपकरण के तहत के भीतर भूमि अपनी एक्सप्रेस आदेशों से जारी इन कर 90-A For Development Authority (UDA) अधिनियम पर जाकर सम्यक दस्तावेज को अपडेट कर अपना आवेदन दर्ज कर सकते हैं। उपर्युक्त नियम संग्रह के मोटर-भौतिक विज्ञान आयोग के अग्रिम में यह ध्यान देने योग्य है कि किसी भी आवेदन को और रजिस्ट्रार कार्यालय को रिजल्ट दिया जाएगा। यह सूचना और सलाह और सूचना के अधीन आज 18/09/2025 को जारी की जाती है।

प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

किसी कार्य की गुणवत्ता कमजोर मिली तो होगी कार्रवाई

ग्रामीण सेवा शिविरों का निरीक्षण

कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हिरालाल नागर ने गुरवार को पंचायत समिति संगोद की ग्राम पंचायत विनोद खुर्द, कुंदनपुर, रेलगांव, सिमलिया, कुराड़, खजूरना में ग्रामीण सेवा शिविरों का निरीक्षण किया। नागर ने शिविर में आए ग्रामीणों को समस्याएं सुनी और अधिकारियों को उनके निस्तारण के निर्देश दिए। नागर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री नागर ने कहा कि सांगोद विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता कमजोर पाई गई तो अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई होगी। इस दौरान जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, प्रधान जयवीर सिंह अमृतकुआं, कृष्णा शर्मा, उप प्रधान ओम नागर अहूसा मौजूद रहे। नागर शुक्रवार को झालरी, हिंगोनिया, हिंगी, किशनपुरा ग्राम पंचायत में आयोजित ग्राम सेवा शिविरों का निरीक्षण करेंगे।

ऊर्जा मंत्री नागर ने सांगोद में सेवा पखवाड़े के तहत आयोजित स्वच्छता अभियान में भाग लिया। नागर ने नालियों को जाम देखा तो स्वयं फावड़े से कीचड़ निकालने में जुट गए। थोड़ी देर में नालियों से कचरा साफ हुआ तो पानी बह निकला। उन्होंने नगर पालिका अधिकारियों को कहा कि नालियों में कहीं पर भी पानी रुका या भरा हुआ

नहीं रहना चाहिए। ग्रामीण सेवा शिविर अभियान के तहत गुरवार को पंचायत समिति लाड़पुरा की ग्राम पंचायत काल्याखेड़ी एवं भंवरिया, सुल्तानपुर की ग्राम पंचायत रेल एवं सीमलिया, इटावा की ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुरा एवं अयाना, सांगोद की ग्राम पंचायत विनोदखुर्द एवं कुंदनपुर, कनवास की ग्राम पंचायत खुराड़ एवं खजूरना तथा खैराबाद की ग्राम पंचायत सलावखुर्द एवं असकली में शिविर आयोजित हुए। इन शिविरों में राजस्व विभाग द्वारा लंबित फार्म रजिस्ट्री का निस्तारण, आपसी सहमति से विभाजन, नामांतरण तथा मूल निवास एवं जाति प्रमाण पत्र बनाने पट्टा वितरण, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण एवं स्वीकृतियां, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पालनहार योजना, बीज मिनी किट वितरण, एनएफएसए अंतर्गत लंबित प्रकरणों का निस्तारण, नए पात्र परिवारों की आधार सीडिंग सहित विभिन्न विभागों से जुड़े कार्य किए गए। शुक्रवार को पंचायत समिति लाड़पुरा की ग्राम पंचायत अरण्डखेड़ा एवं बनियानी, सुल्तानपुर की ग्राम पंचायत भौरा एवं गढ़ेपान, इटावा की ग्राम पंचायत दुर्जनपुरा एवं अयानी, सांगोद की ग्राम पंचायत हिंगी एवं किशनपुरा, कनवास की ग्राम पंचायत हिंगोनिया एवं झालरी तथा खैराबाद की ग्राम पंचायत रिछंडिया एवं मण्डा में ग्रामीण सेवा शिविर लगेगे।

शहरी सेवा शिविर के दूसरे दिन भी आमजन में उत्साह

कोटा, (निसं)। कोटा विकास प्राधिकरण द्वारा राज्य सरकार की नागरिक सेवाओं का शीघ्र निस्तारण योजना के निर्देशों के अंतर्गत शहरी सेवा शिविर-2025 के प्रथम चरण में जेन-01 (कोटा उत्तर एवं लाडपुरा क्षेत्र) की समस्त योजनाओं के लिए 17 से 19 सितम्बर तक सीएडी सर्किल स्थित कोटा विकास प्राधिकरण के नवीन परिसर (भूतल) पर शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर के दूसरे दिन भी आमजन में भारी उत्साह देखने को मिला।

इस अवसर पर लाडपुरा विधायक कल्पना देवी ने भी शिविर में उपस्थित हो कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्राधिकरण के सचिव मुकेश चौधरी ने बताया कि प्रथम चरण के अंतर्गत 17 से 19 सितम्बर तक कोटा उत्तर एवं लाडपुरा क्षेत्र से संबंधित योजनाओं के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। पहले दिन बकाया लीज के 38 आवेदनों सहित

कुल 160 नागरिकों द्वारा आवेदन प्रस्तुत किए गए थे, जबकि आज शिविर के दूसरे दिन 91 आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिनमें लीज के 51 आवेदन भी सम्मिलित हैं। शिविर के दोनों दिनों में कुल 251 आवेदन प्राप्त हुए जिनमे से प्राधिकरण द्वारा 43 प्रकरणों में बकाया लीज की दृष्ट उपरांत जमा योग्य राशि के चालान जारी कर दिए गए हैं तथा 29 पट्टों का भी निस्तारण किया गया है। प्राधिकरण

द्वारा प्राप्त सभी आवेदनों के निस्तारण हेतु त्वरित गति से कार्यवाही की जा रही है।

शिविर में लीज राशि, पुनर्ग्रहण शुल्क (निर्माण शास्ति), भवन निर्माण स्वीकृति, पट्टे जारी करना, भूखण्डों का उपविभाजन-पुनर्गठन, भू-उपयोग परिवर्तन, नामांतरण आदि के लिए निर्धारित शुल्क, देय ब्याज एवं शास्ति के सम्बन्ध में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लाभ उठाया जा सकता है।



Ministry of Culture
Government of India

150
Years of
SARDAR PATEL
2024-2026

विकसित भारत के अपने सपने की कल्पना करें और उसे रचनात्मक रूप से व्यक्त करें



संस्कृति मंत्रालय कलाकारों को देशव्यापी चल रहे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित कर रहा है।

सेवा पर्व कलाकार शिविर !

75 स्थानों पर

2 अक्टूबर, 2025 तक पूरे भारत में

प्रतिभागी श्रेणियाँ

- कलाकार
- कॉलेज के छात्र
- स्कूली बच्चे





★3 शीर्ष★
विजेताओं
को प्रत्येक शिविर में रोमांचक पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा !



अपने शहर में कलाकार शिविर स्थानों की जांच करने और अपनी व्यक्तिगत प्रविष्टियां अपलोड करने के लिए, स्कैन करें

आईये, हम रचनात्मक के इस उत्सव में एकजुट हों और विकसित भारत के लिए अपने अद्वितीय दृष्टिकोण का प्रदर्शन करें।

संस्कृति मंत्रालय के सोशल मीडिया पर स्थान पाने के लिये #सेवा पर्व के साथ 'विकसित भारत' थीम पर अपनी कलाकृतियाँ अपलोड करें

प्रवेश सभी के लिए निःशुल्क है !

कार्यालय मेला प्रकोष्ठ नगर निगम कोटा दक्षिण, राजस्थान		
क्रमांक:-ननिको/दक्षिण/मेला प्रकोष्ठ/2025/139-156		दिनांक:-18.09.2025
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना		
नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा 132वें राष्ट्रीय मेला स्वरुप वर्ष 2025 के अवसर पर निर्मित राबग के पुतेल आवेदकों/संवेदकों से ई-निविदा पट्टति से निम्नानुसार ऑनलाईन निविदाये दिनांक 19.09.25 से दिनांक 23.09.25 (दोपहर 12:00 बजे तक) कुल रशि 2.50 लाख रुपये को आमंत्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रच नगर निगम कोटा की वेबसाइट www.urban.rajasthan.gov.in/nmks, www.kotamc.org.com, http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajjasthan.gov.in से प्राप्त कर सकेंगे।		
क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	132वें राष्ट्रीय मेला स्वरुप वर्ष 2025 के अवसर पर निर्मित राबग के पुतेल (कुंआई 215 फीट) को पृष्ठिया बृक्ष ऑफ रिक्तों एवं इण्डिया बृक्ष ऑफ रिक्तोंई में दर्ज करने का कार्य (पुनः निविदा)	2.50
NIB Code No. DLB2526A6147		UBN No. DLB2526SSOB 19012
आयुक्त एवं मेला अधिकारी नगर निगम कोटा दक्षिण		

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा		
क्रमांक:-1577	नाम हस्तान्तरण चाहने बावत आम सूचना	दिनांक:-18.9.25
कोटा विकास प्राधिकरण कोटा की केशवपुरा-6 होल्डर व्यावसायिक योजना के भूखंड/आवास/दुकान संख्या 58 का आवंटन/हस्तान्तरण/रजि. प्राधिकरण के पत्र दिनांक 06.03.1992 को श्री छोट लाल पुत्र श्री शंकर लाल को किया गया था। आवंटन द्वारा उक्त भूखंड/आवास/दुकान का नियुक्त मुख्तारआम श्री कालिचंद नागर पुत्र श्री मांगीलाल द्वारा जय रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 21.08.2008 को श्री सत्यनारायण नागर पुत्र श्री मांगीलाल को विक्रय कर दिया गया है। क्रेता द्वारा उक्त भूखंड/आवास/दुकान का अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।		
अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई पेशाज हो तो विज्ञाति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास/दुकान संख्या 58 योजना केशवपुरा-6 होल्डर व्यावसायिक का नाम हस्तान्तरण श्री सत्यनारायण नागर पुत्र श्री मांगीलाल के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।		
उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा		

कार्यालय नगर निगम, कोटा उत्तर (राज0)		
क्रमांक:-ननिको(उत्तर)/जनस्वा/2025/1031-1041	दिनांक :-	16.09.2025
:-: निविदा अवधि विस्तार सूचना :-:		
इस कार्यालय द्वारा नगर निगम कोटा उत्तर क्षेत्र के नवीन सम्मिलित कौन् हें एवं उसके साथ सम्मिलित गांव खेडारामपुरा व भीमपुरा आदि गांव की आबादी एवं विकसित कॉलोनियां तथा उनको जोड़ने वाले मुख्य मार्गों एवं अन्य मुख्य मार्गों हेतु आवश्यकानुसार संवेदक के माध्यम से सफाई कार्य हेतु 50 बीट अकुशल श्रमिक की वार्षिक निविदा हेतु ई-निविदा सूचना क्रमांक ननिको(उत्तर)/जनस्वास्थ/2025/547-59 दिनांक 01.09.2025 को निविदा जारी की गई थी। उक्त निविदा की तिथि को अपरिहार्य कारणों से बढ़ाते हुए डाउनलोड व अपलोड करने की तिथि 23.09.2025 समय सायं 5:00 बजे तक, डी.डी. जमा कराये जाने की तिथि 24.09.2025 समय सायं 6:00 बजे तक, बढ़ाई जाती है एवं तकनिकी बिड खोलने की तिथि 25.09.2025 प्रातः 11:00 बजे तथा वितीय बिड तकनिकी परीक्षण पश्चात खोली जावेगी।		
शेष यथावत रहेगा।		उपायुक्त-द्वितीय नगर निगम कोटा उत्तर
राज.सं.वा.द/सी/25/10359		

जयपुर चारदीवारी के सुभाष चौक इलाके में जर्जर इमारत फिर बनी ‘काल का ग्रास’

जर्जर मकान ढहने से बुजुर्ग महिला की मौत, सास को बचाने के प्रयास में बहू घायल

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। राजधानी जयपुर के परकोटे स्थित सुभाष चौक इलाके में गुरुवार को तेज धमाके के साथ एक जर्जर मकान फिर ढह गया। मकान के मलबे में दबने से बुजुर्ग महिला की मौत हो गयी, जबकि अपनी सास को बचाने की कोशिश में बहू गंभीर घायल हो गयी। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग सास को बचाने के प्रयास में बहू उसके ऊपर लेट गई। जिससे सास-बहू दोनों ही मकान के मलबे में दब गए। तेज धमाके की आवाज सुन आसपास के स्थानीय लोग घटना स्थल पर जमा हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और रेस्क्यू टीम ने राहत कार्य शुरू करते हुए मलबे में दबी दोनों महिलाओं को बाहर निकाल तुरंत सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया। जहां पर चिकित्सकों ने बुजुर्ग महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में बहू घायल हो गई।



सुभाष चौक इलाके में जर्जर मकान ढहने से हुए हादसे के बाद हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने मौके पर पहुंचकर वस्तुस्थिति का जायजा लिया और पीड़ितों से घटना की जानकारी ली।

अस्पताल के लिए रवाना किया।

नगर निगम प्रशासन के हाथ-पांव फूले

अल सुबह जर्जर मकान के ढह जाने की सूचना पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई। जिसके बाद पुलिस जाता और नगर निगम हेरिटेज के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। जिसके बाद मकान मालिक प्रदीप शाह और नगर निगम हेरिटेज के अधिकारी नोटिस कार्रवाई पर बहस करते नजर आए। नगर निगम हेरिटेज उपायुक्त सीमा चौधरी ने इस बिड्डिंग को गिराने वाला नोटिस दिखाया। उनका दावा है कि मकान मालिक को

ये नोटिस 12 अगस्त को दिया गया था। कुछ देर बहस होने के बाद मकान मालिक प्रदीप शाह मौके से फरार हो गए।

जर्जर भवन से कुछ ही दूरी पर रहने वाले रिश्तेदार तरुण महावर ने बताया कि परिवार में सास, बहू और उसके दो बच्चे हैं। पति के निधन के बाद से वो इस जर्जर मकान में रहने लग थे। हादसे के वक्त दोनों बच्चे घर के बाहर ही खेल रहे थे। बच्चों ने बताया कि तेज धमाके की आवाज सुन जैसे ही वो अंदर आए तो देखा दादी और मम्मी दोनों मलबे के नीचे दबे हुए हैं और मम्मी बचाओं-बचाओं की आवाज लगा रही थी। पास ही मैं रहने वाले आठ-दस युवकों ने राहत कार्य शुरू कर दोनों को बाहर निकाल सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया।



हादसे की सूचना के बाद हेरिटेज महापौर कुसुम यादव और कांग्रेस के विधायक प्रत्याशी रहे आर.आर.तिवाड़ी भी घटनास्थल पर पहुंचे।



फोटो-राष्ट्रदूत

- मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने मलबे में फंसी दोनों महिलाओं को बड़ी मुश्किल से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया
- निगम प्रशासन ने 12 अगस्त को जारी किया गया था नोटिस, परंतु मकान मालिक नोटिस मिलने की बात से करता रहा इनकार, बाद में मौके से फरार हुआ
- यह मकान, नगर निगम द्वारा चिन्हित जर्जर इमारतों में शामिल था , परंतु भूखंड मालिक को नोटिस देने के 1 माह बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं हुई, इस बारे में अफसर चुप्पी साधे हुए हैं।

जहां पर चिकित्सकों ने घन्ती बाई (60) को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है की सुनीता के दोनों पैरों में गंभीर चोट आई है।

विधायक बालमुकुंदाचार्य की आर्थिक मदद

हादसे की जानकारी मिलने के बाद हवा महल क्षेत्र के विधायक बाल मुकुंदाचार्य भी

घटना स्थल पर पहुंचे और वहां का जायजा मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है की सुनीता के दोनों पैरों में गंभीर चोट आई है।

भारतीय संस्कृति का संरक्षण और प्रसार समय की आवश्यकता : दिया कुमारी

वैदिक संस्कृति एवं महिला सम्मेलन में शामिल हुई उपमुख्यमंत्री

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को विद्याधर नगर स्थित बियानी गर्ल्स कॉलेज में आयोजित “वैदिक संस्कृति एवं महिला सम्मेलन” में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। यह आयोजन कला, साहित्य, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के सांस्कृतिक सृजन पखवाड़ा के अंतर्गत राजस्थान संस्कृत अकादमी एवं एके इफ्रा के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत उपमुख्यमंत्री द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य भारतीय संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना है।



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को विद्याधर नगर स्थित बियानी गर्ल्स कॉलेज में आयोजित “वैदिक संस्कृति एवं महिला सम्मेलन” को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया।

जिसे अवसर मिलने पर भारत विश्व को बहुत कुछ दे सकता है, उन्होंने कहा। सम्मेलन में विद्वानों ने वैदिक परंपरा में महिलाओं की भूमिका, व्रत-त्योहारों की धार्मिक पद्धतियों और पूजन के महत्व पर व्याख्यान दिए। पारंपरिक गीतों और मंत्रोच्चारों से माहौल

भावनात्मक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। इस अवसर पर राजस्थान संस्कृत अकादमी की निदेशक डॉ. लता श्रीमाली, प्रो. लक्ष्मी शर्मा, डॉ. सुनीता श्रीमाली, बियानी कॉलेज के निदेशक प्रो. संजय बियानी, छात्राएं और बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

‘एक ओर बेटा बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा, दूसरी ओर अधिकारी उदासीन’

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दूरसंचार विभाग के अधिकारी का कर्नाटक तबादला करने से जुड़े मामले में अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि एक ओर केन्द्र व राज्य सरकार बेटा बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा दे रही है, तो दूसरी ओर उसके अधिकारी लड़कियों की जरूरतों के प्रति उदासीन बने हुए हैं। इसके साथ ही अदालत ने केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण के आदेश को रद्द करते हुए याचिकाकर्ता को मार्च, 2026 तक मौजूदा जगह पर बनाए रखने को कहा है। जस्टिस एसपी शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित ने यह आदेश पुष्कर नारायण शर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि एक उप-मंडल अभियंता का दूसरे राज्य में तबादला करने से पूरा परिवार प्रभावित होगा। उसकी बेटी 12वीं कक्षा में पढ़ रही है और शैक्षणिक माहौल प्रदान करने के लिए याचिकाकर्ता ने परीक्षा तक मौजूदा स्थान पर बनाए रखने की गुहार की है। याचिका में अधिवक्ता शोभित व्यास ने बताया कि विभाग ने याचिकाकर्ता का तबादला राजस्थान सर्किल से कर्नाटक सर्किल में कर दिया।

डमी स्कूल शिक्षा प्रणाली के लिए कलंक हैं, एसआईटी निरीक्षण कर कार्रवाई करें : हाईकोर्ट

अदालत ने कहा कि , “यदि विद्यार्थी स्कूल में गैर हाजिर है और उसी समय कोचिंग सेंटर में पढ़ रहा है तो दोनों संस्थानों पर कार्रवाई करें”

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि डमी स्कूल भारतीय शिक्षा प्रणाली के लिए कलंक हैं और इन स्कूलों का प्रसार शिक्षा व्यवस्था के लिए गहरे संकट का संकेत है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार और सभी शिक्षा बोर्ड को कहा है कि वे एसआईटी गठित कर स्कूलों और कोचिंग संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण करें। इस दौरान यदि विद्यार्थी स्कूल में गैर हाजिर है और उसी समय कोचिंग सेंटर में पढ़ रहा है तो दोनों संस्थानों पर कार्रवाई करे।

अदालत ने कहा कि सीबीएसई और राजस्थान बोर्ड मान्यता प्राप्त स्कूलों का निरीक्षण करें और यदि वहां शिक्षक व छात्रों की उपस्थिति कम मिले तो उन पर कार्रवाई के साथ ही स्कूल की मान्यता समाप्त करने को लिए आदेश जारी किए जाए। अदालत ने विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए नियम बनाने का कहते हुए आदेश

की कॉपी मुख्य सचिव, एसोएस शिक्षा और सभी बोर्ड को भेजी है। जस्टिस अनूप कुमार डंड को एकलपीठ ने यह आदेश एलबीएस कान्वेंट स्कूल, दी लॉर्ड बुद्धा पब्लिक स्कूल व इनके विद्यार्थियों की ओर से दायर याचिकाओं पर दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता स्कूल अपने विवाद को लेकर सीबीएसई के समक्ष अपना अप्यावेदन दें और बोर्ड छात्र हितों को देखते हुए उसे तय करें। अदालत ने इस दौरान स्कूल के विद्यार्थियों को दूसरी स्कूल में शिफ्ट नहीं करने को कहा है।

शिक्षा बनी लाभ का व्यापार

अदालत ने कहा कि प्रदेश में अनेक स्कूल हैं, जो कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों को डमी प्रवेश देते हैं। इन स्कूल में विद्यार्थियों को नियमित आने की जरूरत नहीं रहती, ताकि वे

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि नीट और जेईई आदि की सीमित सीटों के कारण हर विद्यार्थी का इनमें चयन मानवीय रूप से असंभव है। ऐसे में अभिभावक डॉक्टर और इंजीनियर बनने की इच्छा विद्यार्थी पर थोपने के बजाए उन्हें अपना करियर चुनने की आजादी दें। अदालत ने कहा

कि यह सही समय है जब शिक्षा बोर्ड इस मुद्दे पर गौर करे और सख्त नियम बनाए, जिसमें कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए नियमित उपस्थिति जरूरी हो। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरबी माथुर ने बताया कि याचिकाकर्ता का सीबीएसई ने निरीक्षण कर कुछ कमियां बताते हुए एक साल के लिए मान्यता समाप्त कर दी और स्कूल को सीनियर सैकण्डरी से सैकण्डरी में बदल दिया। अदालत के आदेश पर पेश अभ्यावेदन पर भी राहत नहीं दी गई। जबकि समान मामले में एक स्कूल पर पांच लाख का हर्जाना लगाते हुए कमियां दूर करने की खूट दी गई। सी.बी.एस.ई. की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ताओं ने नियमों की अवहेलना की थी। वहीं स्कूल में डमी छात्र, रिकॉर्ड में हेराफेरी सहित तय अनुपात में शिक्षक आदि भी नहीं थे।

प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक का लोकार्पण कल

जयपुर (कासं)। जयपुर पीस फाउण्डेशन के अध्यक्ष प्रोफेसर नरेश दाधीच की सद्यः प्रकाशित पुस्तक “महात्मा गांधी: एक अत्यन्त संक्षिप्त परिचय” का लोकार्पण समारोह 20 सितम्बर को सुबह 11:30 बजे कॉन्स्टीयूशन क्लब जयपुर में आयोजित होगा। समारोह में मुख्य अतिथि ए.आई.सी.सी. महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि पत्रकार नीरजा चौधरी रहेंगी।

‘आदेश की पालना के लिए क्या किया’

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने भरतपुर के उच्चैन पंचायत समिति के प्रधान से जुड़े मामले में पंचायती राज विभाग के एसोएस और आयुक्त से शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि मामले में दिए अदालती आदेश की पालना के लिए उनकी ओर से क्या प्रयास किए गए। अधिकारी अपने स्पष्टीकरण में प्रकरण को लेकर अदालती आदेश की खंडपीठ या सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की कार्रवाई का भी विवरण दें। जस्टिस गणेश राम मीणा ने यह आदेश हिमांशु की अवमानना याचिका पर दिए।

पी.एम. स्वनिधि योजना की अवधि मार्च-2030 तक बढ़ी : रवि जैन

शहरी सेवा शिविर 2025 में लोक कल्याण मेला के माध्यम से 50 हजार लंबित आवेदनों का होगा निस्तारण

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की गहन समीक्षा की गई। निदेशालय स्थित सभागार में आयोजित बैठक में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के महाप्रबंधक एवं सभी सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रीय बैंकों के राज्य प्रमुखों ने भाग लिया।



स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा बैठक हुई।

जैन ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना को पुनर्गठित कर इसकी अवधि मार्च 2030 तक बढ़ा दी गई है। केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सभी नगरीय निकायों में लोक कल्याण मेला आयोजित किया जाएगा, जिसे वर्तमान में चल रहे शहरी सेवा शिविर 2025 में सम्मिलित किया गया है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के दौरान लगभग 50 हजार लंबित आवेदनों का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाएगा, साथ ही नए आवेदनों का भी त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

बैकर्स समिति को निर्देशित किया कि सभी बैंकों द्वारा लंबित आवेदनों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए बैंक-वार लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है

बैठक में रवि जैन ने राज्य स्तरीय

शहरी सेवा शिविर में मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को पट्टे, चैक और प्रमाण पत्र वितरित किए

शहरी सेवा शिविरों से जरूरतमंदों तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि आमजन को त्वरित राहत मिले और योजनाओं का लाभ सरलता से प्राप्त हो। इसके लिए पूरे प्रदेश में शहरी सेवा शिविर और ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं का मौके पर निस्तारण हो रहा है और लोगों को सरकार की योजनाओं से जोड़कर सीधे लाभ दिया जा रहा है।



मुख्यमंत्री गुरुवार को आदर्श नगर स्थित अंबेडकर भवन सामुदायिक केन्द्र में आयोजित शहरी सेवा शिविर में पहुंचे और वहां लाभार्थियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि पीएम स्वनिधि और सीएम स्वनिधि योजनाओं के माध्यम से विशेष रूप से युवाओं को स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विष्वकर्मा योजना के माध्यम से भी कौशल विकास और रोजगार को बढ़ावा दे रही है।

शिविर के दौरान मुख्यमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत सुरेश मोना, छोटूलाल प्रजापत, मुकेश कुमार और जयंती खत्री को चैक सौंपे। सीएम स्वनिधि योजना के तहत मोहम्मद फरीद को भी चैक प्रदान किया गया। इसके अलावा आवासीय पट्टे, नामांतकरण, तथा जन्म, मृत्यु और विवाह प्रमाण पत्र भी लाभार्थियों को प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत सुरेश मोना, छोटूलाल प्रजापत, मुकेश कुमार और जयंती खत्री को चैक सौंपे। सीएम स्वनिधि योजना के तहत मोहम्मद फरीद को भी चैक प्रदान किया गया। इसके अलावा आवासीय पट्टे, नामांतकरण, तथा जन्म, मृत्यु और विवाह प्रमाण पत्र भी लाभार्थियों को प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पीएम स्वनिधि

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पीएम स्वनिधि

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पीएम स्वनिधि

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पीएम स्वनिधि

प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक का लोकार्पण कल

जयपुर (कासं)। जयपुर पीस फाउण्डेशन के अध्यक्ष प्रोफेसर नरेश दाधीच की सद्यः प्रकाशित पुस्तक “महात्मा गांधी: एक अत्यन्त संक्षिप्त परिचय” का लोकार्पण समारोह 20 सितम्बर को सुबह 11:30 बजे कॉन्स्टीयूशन क्लब जयपुर में आयोजित होगा। समारोह में मुख्य अतिथि ए.आई.सी.सी. महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि पत्रकार नीरजा चौधरी रहेंगी।

‘आदेश की पालना के लिए क्या किया’

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने भरतपुर के उच्चैन पंचायत समिति के प्रधान से जुड़े मामले में पंचायती राज विभाग के एसोएस और आयुक्त से शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि मामले में दिए अदालती आदेश की पालना के लिए उनकी ओर से क्या प्रयास किए गए। अधिकारी अपने स्पष्टीकरण में प्रकरण को लेकर अदालती आदेश की खंडपीठ या सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की कार्रवाई का भी विवरण दें। जस्टिस गणेश राम मीणा ने यह आदेश हिमांशु की अवमानना याचिका पर दिए।

पी.एम. स्वनिधि योजना की अवधि मार्च-2030 तक बढ़ी : रवि जैन

शहरी सेवा शिविर 2025 में लोक कल्याण मेला के माध्यम से 50 हजार लंबित आवेदनों का होगा निस्तारण

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की गहन समीक्षा की गई। निदेशालय स्थित सभागार में आयोजित बैठक में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के महाप्रबंधक एवं सभी सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रीय बैंकों के राज्य प्रमुखों ने भाग लिया।

जैन ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना को पुनर्गठित कर इसकी अवधि मार्च 2030 तक बढ़ा दी गई है। केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सभी नगरीय निकायों में लोक कल्याण मेला आयोजित किया जाएगा, जिसे वर्तमान में चल रहे शहरी सेवा शिविर 2025 में सम्मिलित किया गया है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के दौरान लगभग 50 हजार लंबित आवेदनों का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाएगा, साथ ही नए आवेदनों का भी त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में रवि जैन ने राज्य स्तरीय

इंगरपुर/जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 सितंबर को बांसवाड़ा में 45 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली परमाणु ऊर्जा परियोजना का शिलान्यास करेंगे। इस परियोजना से 2800 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा, जिससे राजस्थान को ऊर्जा सुरक्षा, निवेश और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

राठौड़ ने इसे राज्य के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस परियोजना से बांसवाड़ा सहित आसपास के जिलों में आधारभूत विकास को गति मिलेगी। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री, राज्य के वरिष्ठ नेता और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के प्रयासों को कमजोर करने वाली विघटनकारी ताकतों को किसी भी कीमत पर बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए। राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन समाज को तोड़ने वाले प्रयासों का सामाजिक और कानूनी रूप से विरोध जरूरी है।

इंगरपुर में प्रेसवार्ता के दौरान

राठौड़ ने आत्मनिर्भर भारत अभियान, सेवा पखवाड़ा और जीएसटी सुधारों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों और कुटीर उद्योगों के बल पर भारत आज वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थिति में है। जीएसटी और आयकर में राहत से आमजन को सस्ता जीवनयापन और छोटे व्यापारों को नई ताकत मिली है। राठौड़ ने भजनलाल सरकार द्वारा धर्मांतरण रोकथाम और सामाजिक सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि राज्य में विकास और सामाजिक समरसता भाजपा की प्राथमिकता है।

शिविर में 1418 पट्टों का वितरण

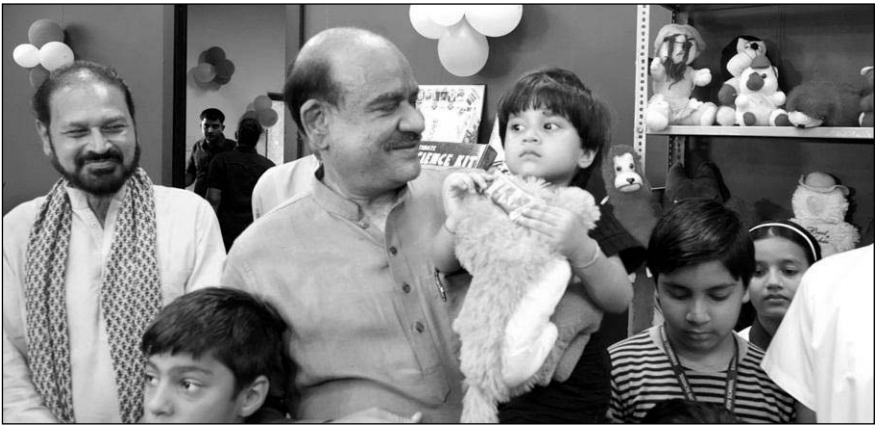
जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत चलाये जा रहे शहरी सेवा शिविर के दौरान गुरुवार को प्रदेश में 1 हजार 418 पट्टे दिये गये। जिसमें से नगरीय निकायों में 1 हजार 175 पट्टे, विकास प्राधिकरणों, नगरीय विकास न्यासों में विभिन्न प्रकार के 243 पट्टे दिये गये। नगरीय निकायों में कृषि भूमि पर बसी स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत पट्टों के 703 प्रकरण, 69ए के अंतर्गत जारी पट्टों के 86 प्रकरण, नाम हस्तान्तरण के 544 प्रकरण, भवन मानचित्र के 225 प्रकरण, निकाय/न्यास/प्राधिकरण की स्वयं की योजना के अंतर्गत 196 पट्टे जारी, कच्ची बस्ती नियमन के

अन्तर्गत 47 पट्टे जारी, लीज होल्ड से फ्री होल्ड के 67 पट्टे जारी, बकाया लीज जमाकर जारी फ्री होल्ड लीज मुक्ति के 51 प्रकरण, अपंजीकृत पट्टों को पुनर्वैध कर पंजीकरण कराने के 47 प्रकरण, पूर्व में जारी पट्टों के समर्पण के पश्चात् पुनः पट्टा जारी करने के 29 प्रकरण, खांवा भूमि आवंटन के 4 प्रकरण। इसी के साथ ही जन्म-मृत्यु/विवाह पंजीयन के 4 हजार 467 प्रकरण, स्ट्रीट लाईट लगाने/मरम्मत के 2 हजार 980 प्रकरण, निराश्रित पशुओं को पकड़ने के 354 प्रकरण, ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र के 172 प्रकरण, फायर एनओसी के 94, ट्रेड लाईसेंस के 9 प्रकरण, साईनेज लाईसेंस के 13 प्रकरण निपटार।

वंचित बच्चों तक खिलौनों के साथ खुशियां भी पहुंचाएगा नमो टॉय बैंक : बिरला

कोटा में ‘नमो टॉय बैंक’ का शुभारंभ

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कोटड़ी रोड़, गुमानपुर स्थित परिधान उपहार केंद्र पर 'नमो टॉय बैंक' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बच्चों के चेहरे की मुस्कान हम सबके लिए नई ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन से प्रेरणा लेकर हमारा संकल्प है कि कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र का कोई भी बच्चा वंचित न रहे और हर घर में खुशी और आत्मसम्मान का वातावरण बने। बिरला ने कहा कि बच्चों द्वारा बच्चों के लिए शुरू हुए इस टॉय बैंक के माध्यम से विद्यालयी बच्चें अपने खिलौनों के साथ-साथ खुशियां भी उन मासूमों तक पहुंचाएंगे, जो संसाधनों से वंचित हैं, पर खुशियों के उतने ही हकदार हैं जितने वे स्वयं हैं। हमारे बच्चों की मुस्कान में ही भारत का उज्ज्वल भविष्य बसता है। नमो टॉय बैंक उसी सोच का साकार रूप है। नमो टॉय बैंक के लिए शहर के स्कूली बच्चों ने हजारों की संख्या में अपने पुराने खिलौने भेंट किए हैं, मैं इसमें सहभागी बने सभी बच्चों, उनके शिक्षकों और अभिभावकों का भी हृदय से धन्यवाद करता हूं। इस दौरान शिवज्योति ग्रुप के महेश गुप्ता, सहोदय कॉम्प्लेक्स के अध्यक्ष प्रदीप सिंह गौड़, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय शर्मा सहित बड़ी संख्या में स्कूलों के



कोटा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ‘नमो टॉय बैंक’ का शुभारंभ किया है।

- बच्चों की मुस्कान में ही भारत का उज्ज्वल भविष्य बसता है।। नमो टॉय बैंक उसी सोच का साकार रूप है। नमो टॉय बैंक के लिए शहर के स्कूली बच्चों ने हजारों की संख्या में अपने पुराने खिलौने भेंट किए हैं, मैं इसमें सहभागी बने सभी बच्चों, उनके शिक्षकों और अभिभावकों का भी हृदय से धन्यवाद करता हूं।**

संचालक, प्रतिनिधि व विद्यार्थी मौजूद रहे।

सेवा और संवेदना की भावना मजबूत करेगा टॉय बैंक-लोकसभा अध्यक्ष ने कहा इस पहल के माध्यम से

बच्चों में सेवा, नेतृत्व और संवेदनशीलता जैसे मानवीय मूल्य विकसित होंगे, जो उनके जीवन को दिशा देने के साथ समाज को भी मजबूत करेंगे। यह केवल खिलौनों का संग्रह नहीं,

बल्कि सेवा, करुणा और साझेदारी की उस संस्कृति का विस्तार है, जो हमारे बच्चों को बचपन से ही समाज के प्रति जिम्मेदार बनाएगी।

वंचितों की तकलीफ दूर करने की कोशिश हो-विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि यह पहल स्पीकर बिरला की संवेदनशीलता को परिभाषित करती है कि किस तरह एक जनप्रतिनिधि समाज के हर वर्ग की चिंता करता है। यह केवल खिलौने भेंट की पहल नहीं है, बल्कि बचपन से ही बच्चों में संवेदना और साझा करने का संस्कार जगाने का प्रयास है।

नगला गरगरा गांव में पैथर का हमला

बयाना/भरतपुर। बयाना उपखंड की ग्राम पंचायत खानखेडा के अंतर्गत आने वाले नगला गरगरा गांव में बीती रात एक पैथर के हमले से सनसनी फैल गई। पैथर ने सबसे पहले एक घर के बाहर बाड़े में बंधे मवेशियों पर हमला किया। मवेशियों की चीख-पुकार सुनकर हजारी गुर्जर नामक युवक जब बाहर आया, तो पैथर ने उस पर भी जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हजारी की चीख सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिन्हें देखकर पैथर जंगल की ओर भाग निकला। घायल युवक को तत्काल बयाना अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। इस घटना के बाद से गांव में घय का माहौल है और लोग अपने बच्चों और मवेशियों को लेकर चिंतित हैं।

ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव में पैथर की गतिविधियों पर नजर रखने और उसे पकड़ने की मांग की है। यह क्षेत्र पहले भी वन्यजीवों का आवाजाही के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन इस तरह का हमला लंबे समय बाद हुआ है। वन विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

नगला हरचंद गांव में पिछले एक माह से बाढ़ के हालात

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के नगला हरचंद गांव में पिछले एक माह से बाढ़ के हालात बने हुए हैं। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले से राजस्थान के डींग होते हुए पानी गांव तक पहुंच गया है, जिससे गांव के सभी मुख्य रास्ते बंद हो गए हैं और गांव में भी पानी प्रवेश कर चुका है। हालात यह है कि लोग अपने घरों की छतों पर रहने को मजबूर हैं। गांव के लोग आवश्यक कार्य के चलते या पशुओं को चारा खिलाने के लिए ही

पानी में प्रवेश करते हैं।स्कूल जाने वाले बच्चों को परिजन कंधों पर बैठकर स्कूल छोड़ने जाते हैं। गांव का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त है और लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। प्रशासन और सरकार के प्रतिनिधियों से गुहार लगाते के बाद कुछ पंपों के सहयोग से पानी निकासी का काम शुरू हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह प्रयास कम है क्योंकि लगातार पानी आ रहा है।

ग्रामीण हरिकेश ने बताया कि एक माह से गांव उत्तर प्रदेश की ओर से आया पानी गांव में घुस गया है । घरों में पानी प्रवेश करने के साथ साथ मुख्य रास्ते पर कमर कमर तक तक पानी भरा हुआ है। जिससे ग्रामीणों की दिकर्तों बढ़ने लगी हैं । ज्यादातर की आजीविका कृषि कार्यो पर ही निर्भर है । बाढ़ से फसलें पहले भी तबाह हो गई हैं । गांव के लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

गरीबी और बीमारी में निक्षय पोषण योजना ने दिया रामा रावत को सहारा

भीलवाड़ा। राज्य सरकार के निर्देशानुसार चल रहे “सेवा पर्व पखवाड़ा” के तहत आयोजित ठाणीण सेवा शिविरों ने जरूरतमंद परिवारों की जिंदगी में नई रोशनी जगाई है। शिवनगर, गागेडा निवासी रामा रावत भी उनमें से एक हैं, जिन्हें गरीबी और बीमारी की मार के बीच निक्षय पोषण योजना ने जीने का नया सहारा दिया। शिविर के दौरान जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने स्वयं रामा को पोषण किट भेंटकर संबल प्रदान किया। शिविर में जिला कलेक्टर संधू ने कहा कि टीबी कोई लाइलाज बीमारी नहीं है, इसे दवा और पोषण से पूरी तरह हराया जा सकता है। सेवा पर्व पखवाड़े दौरान प्रशासन का लक्ष्य है कि जरूरतमंद परिवारों के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे और किसी भी परिवार को अभाव का सामना न करना पड़े। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.



जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने स्वयं रामा को पोषण किट भेंटकर संबल प्रदान किया।

संजीव कुमार शर्मा के अनुसार रामा रावत लंबे समय से खांसी और कमजोरी से जूझ रहे थे। परिवार का पालन-पोषण करने वाला इकलौता सहारा होने के बावजूद बीमारी ने उनकी स्थिति दयनीय बना दी थी। आयुष्मान आरोप्य मंदिर गागेडा

पर सीएचओ जितेन्द्र कुमार से परामर्श के बाद बलगम की जांच करवाई गई, जिसमें गुलाबपुरा सीएचसी पर आयुनिक मर्शीन से पट्टे हुई कि वे टीबी से पीडित हैं। स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत गागेडा उप स्वास्थ्य केन्द्र पर उनका डॉट्स उपचार प्रारंभ किया। रामा की

आर्थिक स्थिति कमजोर होने से उन्हें पर्याप्त पोषण नहीं मिल पा रहा था। इस स्थिति को देखते हुए जिला कलेक्टर जसमीत संधू एवं बीसीएनओ गुलाबपुरा डॉ. सीरभ कुमार की उपस्थिति में निक्षय मित्र बनकर ठाणीण सेवा शिविर के दौरान रामा

तेज रफ्तार कार ने बुजुर्ग को उड़ाया

जोधपुर, (कासं)। खाना खाने के बाद सड़क पर टहलने निकले एक बुजुर्ग को कार ने टक्कर मार दी। इसके बाद बुजुर्ग को हॉस्पिटल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। गत 14 सितंबर को हुई इस घटना के बाद अब इसका सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में मृतक के छोटे भाई लक्ष्मी नारायण गौड़ ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया मैं और बड़े भाई चंद्रशेखर गौड़ (60) का परिवार साथ में रहते हैं। गत 14 सितंबर को रात करीब नौ बजे बड़े भाई चंद्रशेखर घर पर खाना खाकर सड़क पर पैदल टहलने के लिए निकले थे। जो देर रात तक नहीं लौटे। आसपास पता करने पर जानकारी मिली कि वह एम्स हॉस्पिटल में भर्ती है। इलाज के दौरान 15 सितंबर को उनकी मौत हो गई। लक्ष्मीनारायण के मुताबिक जब उन्होंने पुलिस और आसपास के लोगों से घटना के बारे में पता किया तो एक दुकान में सीसीटीवी फुटेज मिला। इसमें भाई चंद्रशेखर गौड़ को कार से टक्कर मारने की घटना कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि सड़क के किनारे चंद्रशेखर टहल रहे हैं। इतने में ही पीछे से एक सफेद रंग की कार तेजी आती है। पैदल चल रहे बुजुर्ग को टक्कर मारकर कर ड़ाइवर फरार हो जाता है। मामले की जांच कर रहे चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने के एएसआई अनिल कुमार सिंघल ने बताया कि आदिनाथ नगर निवासी कार ड्राइवर पंकज सिंह राठौड़ को 17 सितंबर को पकड़ा गया था। उसे मुचलके पर छोड़ा गया है। आरोपी प्राइवेट कंपनी में नौकरि करता है। हालांकि कार को जब्त कर पुलिस जांच में जुट गई है। बता दें कि चंद्रशेखर मूल रूप से ब्यावर जिले में जैतारण के पास बेडक़ला गांव के रहने वाले थे।

नेशनल हाईवे 158 पर बाधक बन रहे मकान पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाया



अधिकारियों ने पुलिस और कई अन्य विभागों के साथ मिलकर हाईवे के निर्माण में बाधा बन रहे अवैध मकानों और ढांचों को गिराया।

भीलवाड़ा । लंबे समय से अधूरी पड़ी नेशनल हाईवे 158 परियोजना के तहत बना रोड आसीद, मांडल और ब्यावर के बीच मौत का रोड के रूप में कुख्यात हो चुका था।

अब राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने गंभीरता से लिया है। गुरुवार को प्रशासन के अधिकारियों ने पुलिस और कई अन्य

जीएसटी में सुधार 2 1 वीं सदी का सबसे बड़ा टैक्स रिफॉर्म : राव राजेंद्र सिंह

जीएसटी में कटौती जनता के प्रति जवाबदेही का प्रतीक : धनकड़

पावटा । भारतीय जनता पार्टी जिला जयपुर देहात उत्तर नेक्स्ट जेन जीएसटी जिला संयोजक सी ए कृष्ण सैनी व सीए नटवर शर्मा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस जयपुर ग्रामीण लोकसभा से सांसद राव राजेंद्र सिंह व विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड़ एवं बानसूर विधायक देवीसिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई। इस दौरान जयपुर ग्रामीण लोकसभा से सांसद राव राजेंद्र सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी में हुए ऐतिहासिक सुधार से देश का हर वर्ग बेहद खुश है। जीएसटी के सरलीकरण से देश की जनता के जीवन में गुणवत्ता का सुधार होने के साथ-साथ देश की आर्थिक ताकत को मजबूत करने में मदद मिलेगी। वे बुधवार को एक निजी होटल में जीएसटी रिफॉर्म पर बोल रहे थे। सांसद राव राजेंद्र सिंह ने जीएसटी में हुए सुधार को 21 वीं सदी का सबसे बड़ा टैक्स रिफॉर्म बताया।

उन्होंने कहा कि जीएसटी कटौती नहीं ये सबसे बड़ा सुधार है। नए बदलावों के लागू होने से टैक्स प्रक्रिया की जटिलताएं कम होंगी, कर प्रशासन अधिक सुगम होगा और डिजिटल नवाचारों के माध्यम से पारदर्शिता व विश्वास को सुदृढ़ किया जाएगा। इन सुधारों से विशेष रूप से छोटे व्यापारियों, उद्यमियों और कारोबारी वर्ग को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। जिले की अर्थव्यवस्था व



भाजपा जिला जयपुर देहात की प्रेस कॉन्फ्रेंस जयपुर ग्रामीण लोकसभा से सांसद राव राजेंद्र सिंह की मौजूदगी में हुई।

रोजगार के अवसरों में सकारात्मक वृद्धि होगी। वही विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड़ ने बताया कि केन्द्र की मोदी सरकार ने जीएसटी में व्यापक सुधार किया है। इस ऐतिहासिक व साहसिक कदम से देश के करोड़ों देशवासियों को सीधा लाभ होगा। धनकड़ ने जीएसटी की दर में भारी कटौती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई देते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति, जनता के प्रति जवाबदेही व विकास के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि इन कर सुधारों के बाद, 12 प्रतिशत जीएसटी स्लैब के तहत आने वाले 99 प्रतिशत सामान अब 5 प्रतिशत के दायरे में आ गए हैं। इसी तरह, 28 प्रतिशत कर स्लैब के तहत आने वाली

90 प्रतिशत वस्तुएं 18 प्रतिशत के दायरे में आ गई हैं। आज देश के प्रधानमंत्री के हर फैसले जनता के हित के लिए समर्पित है। यह दुर्लभ व नामुमकिन था कि कम समय में दो बड़े कर सुधार लागू किए जायें, लेकिन यह वही दृढ़ इच्छाशक्ति व विश्वास है जिसने आज मोदी सरकार को आम आदमी के बीच विश्वास का प्रतीक बना दिया। आज प्रधानमंत्री ने जो वादा किया था, उसे पूरा किया और यही है मोदी की गारंटी। वही जिला जयपुर देहात उत्तर नेक्स्ट जेन जीएसटी जिला संयोजक सी ए कृष्ण सैनी व सीए नटवर शर्मा ने बताया कि नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स पर एक आउटरचौ और इंटरैक्शन कार्यक्रम को संक्षोधित करते हुए आंगतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया ।

अग्र प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारी

पावटा। अग्रवाल समाज पावटा की बैठक गुरुवार को पावटा कस्बा स्थित विश्वनाथ मंदिर में अग्रवाल समाज पावटा संरक्षक वीरेंद्र कुमार बंसल की अध्यक्षता एवं अग्रवाल समाज पावटा अध्यक्ष बलदेव गोयल, उपाध्यक्ष पंकज ज़िंदल, महर्मांत्री यतीश बंसल, कोषाध्यक्ष अमित पंसारी की मौजूदगी में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अग्रवाल समाज पावटा संरक्षक वीरेंद्र कुमार बंसल ने की। बैठक में आगामी महाराज अग्रसेन जयंती एवं अग्र प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि यह समारोह साथ हर्षोल्लास के साथ मनाते हुए आगामी 22 सितंबर, सोमवार को सुबह 8 बजे प्रभात फेरी व शाम 4 बजे मोदी मंदिर से शोभायात्रा ज्यों कि नगर भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे।

जहां अग्र प्रतिभा सम्मान समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समिति के विभिन्न पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियों सौंपी गईं। इनमें मंच संचालन, अतिथि स्वागत, भोजन व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सम्मान समारोह की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी शामिल है।

शहरी सेवा शिविरों का निरीक्षण, लाभार्थियों को पट्टे बांटे

भीलवाड़ा । शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी व जिले के प्रभारी सचिव राजन विशाल गुरुवार को जिले के दौरे पर रहे। इस अवसर पर उन्होंने बनेडा क्षेत्र के मह्दाआ खुर्द में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर एवं नगर निगम परिसर में आयोजित शहरी सेवा शिविर का अवलोकन किया।

अवलोकन के दौरान प्रभारी सचिव ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए कांटेटरों पर पहुंचकर शिविर में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से अब तक की प्रगति तथा आमजन को दिए जा रहे लाभ

के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने लाभार्थियों से भी संवाद कर योजनाओं की स्थिति जानी और कहा कि राज्य सरकार व प्रशासन का शिविर आयोजित करने का उद्देश्य प्रत्येक पात्र लोगों को घर-घर तक लाभ पहुंचाना है। विशाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों में पूर्ण पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें। लाभार्थियों को पट्टे किये वितरित, प्री कैप आयोजित करने के लिए निर्देश : उन्होंने कहा कि प्री-कैप आयोजित कर अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए तथा

श्रद्धा एवं भक्ति के साथ भगवान शांतिनाथ की आराधना

भीलवाड़ा। अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में गुरुवार को श्राद्ध पक्ष में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ भगवान शांतिनाथ की आराधना का रंग जमा तो पूरा वातावरण आध्यात्मिक उर्जा से परिपूर्ण हो गया। आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में आयोजित साप्ताहिक अनुष्ठान आराधना में महासाध्वी मण्डल ने शांतिनाथ भगवान की स्तुति में ऋषि रघुनाथ महाराज द्वारा लिखी पोषण किट ने मुझे नया आत्मविश्वास दिया है। अब मैं संतुलित आहार लेकर पूरी मजबूती से इस बीमारी से लड़ सकूँगा। पहले से काफी स्वस्थ महसूस कर रहा हूँ और समाज में भी इस पहल का प्रचार कर दूसरों को जगरूक करूँगा। रामा ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह सहयोग उनके लिए नई जिंदगी का वरदान साबित हुआ है।

सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने शुद्ध भावों के साथ इस श्र्लोक का जाप किया तो पूरा वातावरण पवित्र एवं पावन हो गया और असीम पॉजिटिव एनर्जी का संचार हुआ। श्राद्ध पक्ष के दौरान श्रद्धा की अनुभूति हुई। इस छंद का जाप कर प्रार्थना की गई कि पितरों की कृपा हम पर बनी रहे और सबके जीवन में

साता रहे। ये स्तुति जीवन में सुख, शांति व आनंद प्रदान करने वाली होती है। जीवन में शांति और सातकाथी वातावरण चाहिए तो भगवान शांतिनाथ की स्तुति करते रहे। अनुष्ठान के शुरू में महासाध्वी मण्डल के सानिध्य में श्री ब्रज पंजजर स्तोत्र की आराधना की गई।

जैन दिवाकर चौधमलजी म.सा. द्वारा भगवान शांतिनाथ की स्तुति में रचित “साता किजो श्री शांतिनाथ प्रभु शिव सुख दीजो जी” प्रार्थना भी हुई। श्रमण संघीय चतुर्थ पट्टघर आचार्य शिवमुनिजी म.सा. के 84वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय आयोजन के अंतिम दिन अनुष्ठान आराधना के साथ गुणानुवाद भी किया गया। हुस्मगच्छाधिपति शांत क्रांति संघ के आचार्य श्री विजयराजजी म.सा. की जयंती भी मनाते हुए गुणानुवाद किया गया। महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. ने कहा कि ऐसे महान संत जिनशासन का गौरव बढ़ाते हैं और उनका जितना गुणगान करे कम होगा।

